राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला का आयोजन

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र में राजभाषा व विज्ञान व्याख्यानमाला के साथ हिन्दी पखवाड़े की शुरुआत हुयी। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ. बृजेश कुमार पाण्डेय, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय तथा विशिष्ट अतिथि प्रवीण शेखर के साथ केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके हुआ। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने मुख्य अतिथियों का स्वागत करते हुए देश के विकास में भाषा की भूमिका को अत्यन्त महत्वपूर्ण बताया। उन्होने वैज्ञानिकों व शोधार्थियों से अनुसंधान और व्यवहार में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग का आह्वान किया। डॉ. बृजेश पाण्डेय ने वर्तमान समय की चुनौतियां और हिन्दी पर विचार प्रस्तुत किए। उन्होने कहा कि हिन्दी के प्रसार में व्याप्त चुनौतियों का निवारण तभी सम्भव है, जब इसका उपयोग बिना हीन भावना के किया जाए। इसी कम में उन्होने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पाठ्यक्रमों में हिन्दी के अधिक से अधिक प्रयोग को आवश्यक बताया साथ ही कुछ अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर भी चर्चा किया जिससे हिन्दी भाषा को बढ़ावा सरल और आसान हो सके। कार्यक्रम का संचालन हरीश कुमार, अपर श्रेणी लिपिक द्वारा किया गया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ़ कुमुद दूबे, आलोक यादव व वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता के साथ विभिन्न परियोजना कर्मी शोध छात्र आदि मौजूद रहे।

LiFE
हिन्दी पखवाड़ा

LiFE
हिन्दी पखवाड़ा
14–28 सितम्बर 2023
भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज
राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला

LiFE
हिन्दी पखवाड़ा
14–28 सितम्बर 2023
भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज
राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला
ICFRE -ERC

LiFE
हिन्दी पखवाड़ा
14–28 सितम्बर 2023
भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज
ICFRE -ERC

LiFE
हिन्दी पखवाड़ा
14–28 सितम्बर 2023
भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज

LiFE
हिन्दी पखवाड़ा
14–28 सितम्बर 2023
भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज

LiFE
हिन्दी पखवाड़ा
2023

RASTRA SANDESH

Home > प्रयागराज >

देश के विकास में भाषा की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण

राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला का आयोजन

By ABHAY SHANKAR PA... — On Sep 15, 2023 प्रयागराज

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र में राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यामाला के साथ हिन्दी पखवाड़े का शुभारम्भ मुख्य अतिथि इविवि हिन्दी विभाग के डॉ. बृजेश कुमार पाण्डेय, विशिष्ट अतिथि प्रवीण शेखर, केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह एवं वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने मुख्य अतिथियों का स्वागत करते हुए देश के विकास में भाषा की भूमिका को अत्यन्त महत्वपूर्ण बताया तथा वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों से अनुसंधान तथा व्यवहार में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग का आह्वान किया। डा. पाण्डेय ने वर्तमान समय की चुनौतियां और हिन्दी के अंतर्गत अपने विचार प्रस्तुत किए।

उनके अनुसार हिन्दी के प्रसार में व्याप्त चुनौतियों का निवारण इसका उपयोग बिना हीन भावना के किए जाने पर बल दिया। उन्होंने हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पाठ्यक्रमों में हिन्दी का बहुतायत मात्रा में प्रयोग किये जाने पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम समन्वयक डॉ अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि शासकीय कार्यों में हिन्दी का प्रयोग अति आवश्यक है। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव एवं वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता के साथ अमितेश कुमार, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय व विभिन्न शोध छात्र आदि उपस्थित रहे।

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र में हिंदी पखवाड़े की शुरुआत करते अतिथि।

शोध और व्यवहार में हिंदी का प्रयोग अधिक करें

अपील

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र में हिंदी पखवाड़ा शुरू वक्ताओं ने देश के विकास में भाषा की अहमियत बताई

प्रयागराज वरिष्ठ संवाददाता। पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र में गुरुवार को राजभाषा व विज्ञान व्याख्यामाला के साथ हिंदी पखवाड़े की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय हिंदी विभाग के डॉ. बृजेश कुमार पांडेय, विशिष्ट अतिथि प्रवीण शेखर, केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

केंद्र प्रमुख डॉ. सिंह ने मुख्य अतिथियों का स्वागत किया और देश के विकास में भाषा की भूमिका को अत्यन्त महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने वैज्ञानिकों व शोधार्थियों से अनुसंधान और व्यवहार में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का आह्वान किया। डॉ. बृजेश पांडेय ने वर्तमान समय की चुनौतियां और हिंदी पर विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि हिंदी के प्रसार में व्याप्त चुनौतियों का निवारण तभी संभव है, जब इसका उपयोग बिना हीन भावना के किया जाए। उन्होंने हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पाठ्यक्रमों में हिंदी के अधिक से अधिक प्रयोग को जरूरी बताया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव व वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एसडी शुक्ल, रतन गुप्ता आदि मौजूद रहे।

राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला का आयोजन

प्रयागराज। पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र में राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यामाला के साथ हिन्दी पखवाड़े का शुभारम्भ हुआ।

कार्यक्रम का शुभारम्भ दिनांक 14.09.2023 को मुख्य अतिथि डॉ. बृजेश कुमार पाण्डेय, हिन्दी विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि प्रवीण शेखर, केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह एवं वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा द्वीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने मुख्य अतिथियों का स्वागत करते हुए देश के विकास में भाषा की भूमिका को अत्यन्त महत्वपूर्ण बताया तथा वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों से अनुसंधान तथा व्यवहार में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग का आह्वान किया। अपने व्याख्यान में डॉ. पाण्डेय ने वर्तमान समय की चुनौतियां और हिन्दी के अंतर्गत अपने विचार प्रस्तुत किए। उनके अनुसार हिन्दी के प्रसार में व्याप्त चुनौतियों का निवारण इसका उपयोग बिना हीन भावना के किए जाने पर बल दिया। उन्होंने हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पाठ्यक्रमों में हिन्दी का बहुतायत मात्रा में प्रयोग किये जाने पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम समन्वयक डॉ अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि शासकीय कार्यों में हिन्दी का प्रयोग अति आवश्यक है। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव एवं वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता के साथ अमितेश कुमार, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय व विभिन्न शोध छात्र आदि उपस्थित रहे।